Al-Tawaf Umrah
India Pvt. Ltd.

UMRAH GUIDE

BOOK

+91 74530 07472
altawafumrah.com
info@altawafumrah.com

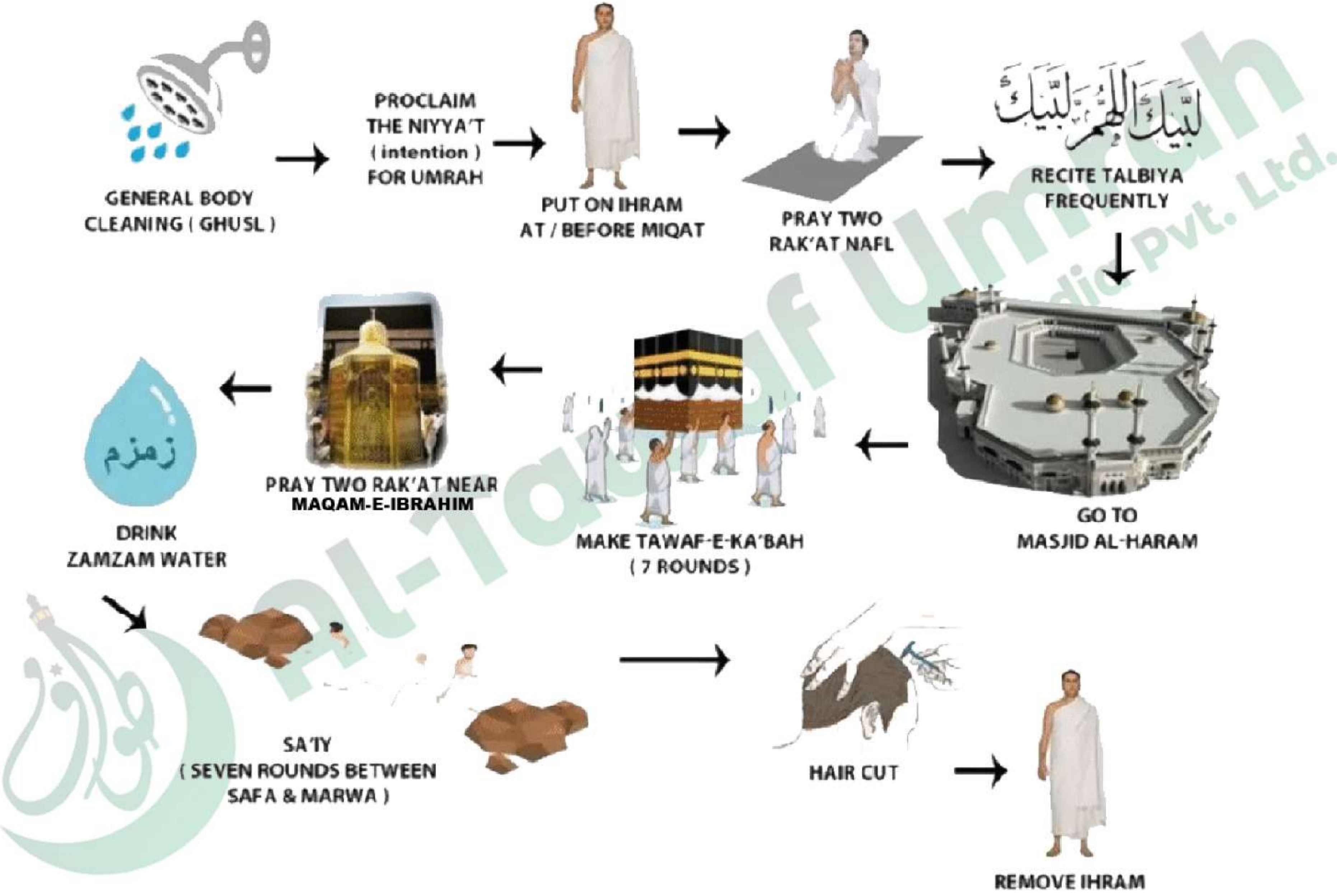
GENERAL BODY CLEANING (GHUSL)
PROCLAIM THE NIYYA'T (intention) FOR UMRAH
PUT ON IHRAM AT / BEFORE MIQAT
PRAY TWO RAK'AT NAFL
لبيك اللهم لبيك
RECITE TALBIYA FREQUENTLY
GO TO MASJID AL-HARAM
MAKE TAWAF-E-KA'BAH (7 ROUNDS)
PRAY TWO RAK'AT NEAR MAQAM-E-IBRAHIM
زمزم
DRINK ZAMZAM WATER
SA'IY (SEVEN ROUNDS BETWEEN SAFA & MARWA)
HAIR CUT
REMOVE IHRAM

उमराह का तरीक़ह

1- एहराम - जो लोग पहले मक्कह मुअज़्ज़मह जा रहे हों वह उमरह के लिए एहराम अपने घर से बांध कर निकलेंगे। औरतों का एहराम उनका आम लिबास होगा और मर्द का एहराम दो चादरें, पाकीज़गी के साथ गुस्ल करके एहराम पहन लें।

घर से निकलने से पहले एहराम बांध लें और वुज़ू कर के मर्द हज़रात टोपी पहन कर दो रकअत नफ़्ल नमाज़ अदा करें। (अगर मकरूह वक्त न हो तो यह नफ़्ल अदा करें).....

अब एयर पोर्ट पर पहुंच कर जब आप का सामान जहाज़ में चला जाए और जहाज़ के उड़ने का वक्त हो तब आप उमरह की नियत करें। मर्द हज़रात अपने सर से टोपी या चादर हटा दें।

उमराह की नियत

अल्लाहुम्मा इन्नी उरीदुल उमरता फ़यस्सिरहा ली व तकब्बलहा मिन्नी ....

तर्जुमा:- या अल्लाह उमरह का इरादह करता हूँ। तू इस इसको मेरे लिए आसान फ़रमा और कबूल फ़रमा.......

नियत उर्दू ज़बान में भी कर सकते हैं।

اللَّهُمَّ إِنِّي أُرِيدُ الْعُمْرَةَ فَيَسِّرْهَا لِي وَتَقَبَّلْهَا مِنِّي

उमराह की नियत करने के बाद से एहराम की पाबंदियां शुरू हो गई। मर्द हज़रात अपने दोनों कांधे ढके हुए रक्खे। चेहरे पर और सर पर बिल्कुल कपड़ा न लगने पाए। नियत करने के बाद लब्बैक (तलबियह) पड़ना शुरू करदें।

Al-Tawaf Umrah India Pvt. Ltd.

तल्बिया

लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक ,लब्बैक ला शरीका लाका लब्बैक इन्ना अल-हम्दा वा अन-निमता लाका वल-मुल्क ला शरीका लाक।

"لَبَّيْك اللّٰهُمَّ لَبَّيْك، لَبَّيْك لَا شَرِيْكَ لَكَ لَبَّيْك، إِنَّ الْحَمْدَ وَ النِّعْمَةَ لَكَ وَ الْمُلْكَلَا شَرِيْكَ لَكَ"

तर्जुमा:- मैं हाज़िर हूँ ऐ अल्लाह मैं हाज़िर हूँ। तेरा कोई शरीक नहीं मैं हाज़िर हूँ। बेशक सब तारीफ और नियामत तेरे ही लिए है और सारा जहां है तेरा ,तेरा कोई शरीक नहीं .....

जब भी तलबियह पड़ें तीन मर्तबह पड़ें। उस के बाद दरूद शरीफ पड़ें और यह दुआ मांगे।

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुका रिज़ाका वलजन्नता व आऊज़ु बिरहमतिका मिनन्नार।

तर्जुमा :- ऐ अल्लाह मैं तेरी रज़ा का और जन्नत का सवाल करता हूँ और तेरी रहमत के वास्ते से दोज़ख के अज़ाब से पनाह चाहता हूँ।

Al-Tawaf Umrah India Pvt. Ltd.

दौराने सफर कसरत से तल्बिया और दरुद शरीफ और दुआ पड़ते रहें। मस्लन सुबह व शाम उठते बैठते , बाहर जाते वख्त , लोगों से मुलाकात के वक्त , फर्ज नमाज़ों के बाद , रुख्सत होते वक्त , जब भी सो कर उठे , तलबियह पड़ते रहें।

मक्का पहुंच कर अपना सामान हिफ़ाज़त से कयाम गाह में रख कर , अगर गुस्ल की हाजत हो तो गुस्ल करें वरना वुज़ू करके इतमिनान से मस्जिद अल-हरम की तरफ चलें। अपने साथ उमरह का तरीकह सात दाने की तसबीह , छोटी कैंची , चप्पल रखने के लिए थैली रख लें।

तल्बिया पड़ते रहें।

मस्जिदें अल-हरम में दाखिल हों तो मस्जिद में दाखिल होने की दुआ और दो रकअत नमाज़ें नफ़्ल तहीयतुल मस्जिद की नियत से अदा करें। (अगर मकरूह वख्त न हो तो नफ़्ल अदा करें) अब नज़रे झुका कर अदब के साथ काबातुल्लाह की तरफ़ बड़े और जैसे ही काबा नज़र आए दुआ करें।

काबातुल्लाह पर नज़र पड़ते ही जो पहली दुआ हो वह इनशाल्लाह जरूर क़ुबूल होती है इस लिए ऐसी दुआ करें जो सब से बेहतर हो। जैसे "या अल्लाह मैं जो भी दुआ मांगू तू अपनी रज़ा के साथ जो बेहतर हो वही कबूल फरमा" उस के बाद हज़रे असवत के पास आए। यहीं से तवाफ शुरू होगा। हरम शरीफ की ज़मीन में एक हरा रंग का पटटह बना हुआ है और काबातुल्लाह के मुकाबिल में हरी लाइट लगी हुई है यही हज़रें असवद के मुकाबिल है यानी यहाँ खड़े हो कर तवाफ शुरू करना है। इस पटटह पर खड़े हो जाएं तो बाया कांधा काबातुल्लाह की तरफ़ होगा। अब तल्बिया पड़ना बंद करदें और तवाफ की नियत करें। बगैर नियत के तवाफ अदा न होगा। तवाफ की नियत दिल से होनी काफी है। ज़बान से कह लेना भी बेहतर है।

तवाफ की नियत

अल्लाहुम्मा इन्नी उरीदु तवाफा बैतिक फ़यस्सिरहू ली व तकब्बलहु मिन्नी

اَللّٰهُمَّ اِنَّ اَرْدُوْا طوافٰ بِتِکَ فَیْسَرُوْ لِ وَ تکُبْلُ مِنْ

तर्जुमा:- ऐ अल्लाह मैं तेरे घर का तवाफ करने का इरादा कर रहा हूँ। इसको मेरे लिए आसान फरमा और इस को मुझसे कबूल फरमा।

नियत करके ज़रा बाएं तरफ को खिसके ताकि हजरे असवद के बिल्कुल सामने आजाएं फिर नमाज़ की नियत के वख्त जिस तरह हाथ उठाते हैं उस तरह कानों तक हाथ उठा कर यह दुआ पढ़ें।

बिस्मिल्लाहि अल्लाहु अक्बर व लिल्लाहिल हम्द

कह कर हाथ छोड़ दें। अपनी हथेलियाँ कअबतुल्लाह के सामने करके फिर चूम लें। इस को इस्तेलाम कहते है। इस्तेलाम करने के बाद तवाफ करना शुरु करें। तवाफ के दौरान दरूद शरीफ या सोमकलेमह यआ तवाफ की दुआएं पड़ते जाए। जब रुकने यमानी पर पहुचे तो रुकने यमानी और हजरे असवद के दरमियान ......

रब्बना आतिना फिद्दुनया हसनतव्व फिल आखिरति हसनतव्व किना अज़ाबन्नार व अदखिलनल जन्नता मअल अबरार या अज़ीज़ु या गफ़्फ़ार या रब्बल आलमीन

पढ़ें और हजरे असवद पर पाहुचें। इस तरह एक चक्कर पूरा हुआ। अब फिर हजरे असवद

का इस्तेलाम करें और दूसरा चक्कर , और बाकी के तमाम सात चक्कर मुकम्मल करें। आखिर में फिर हजरे असवद का इस्तेलाम करके तवाफ मुकम्मल करें यानि एक तवाफ में सात चक्कर काबातुल्लाह के और आठ मर्तबा हजरे असवद का इस्तेलाम करना होगा। तवाफ की दुआएं किताब में देख कर पड़ सकते हैं।

(तवाफ शुरू करने से पहले मर्द हज़रात अपना सीधा कांधा खोल दें। सिर्फ तीन चक्करो में। इस को इज़्तबाल कहते है। और साथ साथ अकड़ कर नज़दीक नज़दीक कदम रखते हुए चले। इस को रमल कहते हैं। बाकी चार चक्करो मे कांधा ढक दें और नॉर्मल हालत में तवाफ करें।

तवाफ मुकम्मल करने के बाद दो रकात नमाज़ पड़ें। उन दो रकातों का पड़ना वाजिब है। अगर नफ़्ली तवाफ किया हो। यह नमाज़ मकामे इब्राहीम के पीछे आकर पड़े। अगर जगह न मिले तो हरम शरीफ मे कही भी अदा करें। नमाज़ पड़ने से पहले यह पड़ें।

वत्तखिज़ू मिम मकामि इब्राहीमा मुसल्ला

नमाज़ पड़ने के बाद अल्लाह ताला से जो चाहे वह दुआ मांगें। (पहली रकअत में सुरह

Al-Tawaf Umrah India Pvt. Ltd.

काफिरुन और दूसरी रकात मे सुरह इखलास पड़ना मसनून हैं।)

दो रकअत नमाज़ और दुआ के बाद आबे ज़म ज़म खड़े होकर तीन सांस मे पिए। शुरू मे बिस्मिल्लाह पड़े और ज़म ज़म पीने के बाद दुआ करें।

अल्लाहुम्मा इन्नी असअलुका इलमन नाफिअंव्व रिज़कव्व वासिअव्व शिफ़ाअममिन कुल्ली दाइन।

तर्जुमा:- ऐ अल्लाह मैं तुझसे नफ़्अ देने वाले इल्म का और कुशादह रिज़्क का और हर मर्ज़ से शिफ़ा याबीका सवाल करता हूँ।)

आबे ज़म ज़म पीने के बाद दोबारा हज़रे असवद के सामने आएं और उस का इस्तेमाल करें फिर सफ़ा की तरफ चलें। जब सफ़ा कुछ दूर रह जाए तो सई (सफ़ा व मरवह के दरमियान सात चक्कर) की नियत करें।

अल्लाहुम्मा इन्नी उरीदुस्सअया बैनस्सफा वलमरवता सबअता अशवातिल लिवजहिकल करीमि फ़यस्सिरहु ली व तकब्बलहु मिन्नी

तर्जुमा:- ऐ अल्लाह मैं तेरी रज़ा व खुशनूदी के लिए सफ़ा व मरवा के दरमियान सई के

सात चक्कर करने का इरादा करता हूँ तू इसे मेरे लिए आसान फ़रमा और कबूल फ़रमा।

जब सफ़ा के करीब पहुच जाए तो ...यह पड़े...

इन्नस्सफ़ा वल मरवत मिन शआइरिल्लाहि अबदउ बिमा बदाअल्लाहु बिही

तर्जुमा:- बे शक सफ़ा व मरवा अल्लाह की निशानियों में से हैं। मैं उसी से शुरू करता हूँ जिस का ज़िक्र अल्लाह ने फरमाया।

सफ़ा पर इतना चड़े की काबा शरीफ की तरफ रूख करके इस तरह हाथ उठाए जैसे दुआ के लिए उठाते हैं। फिर तीन मर्तबा अल्लाहु अक्बर कहे और अल्लाह की तौहीद बयान करें और यह पड़े।

लाइलाह इल्लल्लाहु वदाहू ला शरीका लहू लहूल मुल्क वलहुल ह्मदु वहुवा अला कुल्लि शैंइन कदीर। ला इलाहा इल्लल्लाहु वदाहू अनजज़ा वअदहू व नसरा अब्दहू व हज़मल अहज़ाबा वहदहू

तर्जुमा:- अल्लाह के सिवा कोई मअबूद नहीं , वह तन्हा है उस का कोई शरीक नहीं। उसी के मुल्क है और उसी के लिए हम्द है और वह हर चीज पर कादिर है कोई मअबूद नहीं अल्लाह के सिवा वह तन्हा है उसने अपना वादा पूरा फरमाया और अपने बंदे की मदद फरमाई दुश्मनों की जमात को तन्हा उसी ने शिकस्त दी।

उस के बाद दरूद शरीफ पढ़कर जो चाहें दुआ मांगे। (यह अमल तीन मर्तबा करें) फिर सफ़ा से उतर कर मरवह की तरफ ज़िक्र करते हुए चलें। जब हरे सुतून तक दौड़ना शुरू करें। (यह दौड़ना सिर्फ मर्दों के लिए है) सुतूनों के दरमियान दौड़ते हुए यह पढ़ें।

अल्लाहुम्मगफिरली वरहम अनतल अअज़्ज़ुल अकरम

तर्जुमा:- ऐ अल्लाह मगफिरत फ़रमा और रहम फ़रमा तू बहुत बड़ा इज़्ज़त वाला है। फिर मरवा पर पहुच जाएं तो वहाँ भी इसी तरह हाथ उठाकर तीन मर्तबा अल्लाहु अक्बर कहें और चौथा कलमा तीन मर्तबा पड़ें। जैसे सफ़ा पर अमल किया था। और उसके बाद दरूद शरीफ पढ़कर जो चाहें दुआ करें। मरवा पर पहुच कर एक चक्कर पूरा हो गया। जिस तरह सफ़ा से मरवह की तरफ चलें बिल्कुल उसी तरह मरवह से सफ़ा की तरफ चलें। दूसरा

चक्कर पूरा होगा। इसी तरह सात चक्कर पूरे करें। सातवां चक्कर मरवा पर मुकम्मल होगा उमराह हज की सई एक ही तरह हैं। दोनों मे कोई फ़र्क नहीं है। उसके बाद अगर मकरूह वख्त न हो तो दो रकअत नफ़्ल अदा करें। क्योंकि यह मुस्तहब है उस के बाद बाल कटवाएं। औरतें अपनी चोटी के बाल को एक उंगली के पोर से कुछ ज़्यदा बाल काट लें। जबकि मर्द हज़रात हल्के या कसर कर वा सकते हैं।

इस तरह उमरह मुकम्मल हुआ और एहराम की पाबंदियों से फ़ारिक हो गए।

...उमराह मुकम्मल हुआ...

Al Tawaf Umrah India Pvt. Ltd.